





KALKI

WOMEN'S WEAR



K 50005



KALKI

for her

TRADITIONAL FASHION



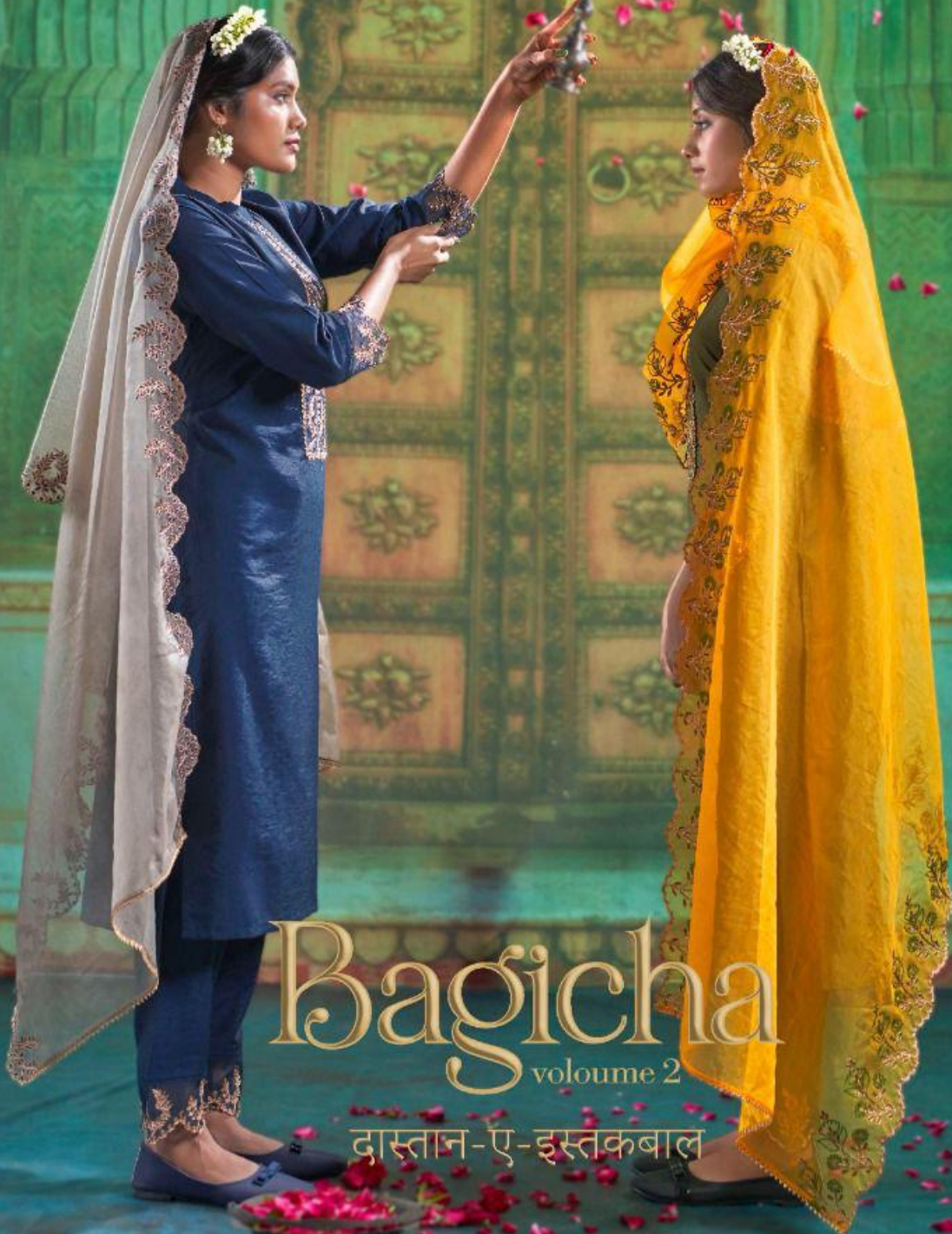
K 50002



KALKI

fashion

INDIAN ETHNIC WEAR



Bagicha
volume 2

दास्तान-ए-इस्तकबाल



KALKI

Fashion

ESTABLISHED IN 1985



K 50003



KALKI

for her

CLASSIC OF CLASSICS



K 50006



K 50001

K 50002

K 50003



K 50004

K 50005

K 50006

दास्तान-ए-इस्तकबाल

सौंदर्य ही अस्मिता है जिधकी हूँ, मरिह किस रंग हूँ है अपना तूरी
केलनाह कबलो नें तुमी जिअकी अक है किल्ली, कहानी दिले का मकद है ये रंग "रंझुमै"



दास्तान-ए-इस्तकबाल

खुसरो रैन सुहृग की, जगी पी के संग
तन मेरो मन-पियो को, दोउ भए एक रंग







दास्तान-ए-इस्तक़्वाल

खोई खोई सी अंखियां है जिनकी नूरी
माहेरु जिस्म संग हूँ है उसका नूरी
बेपरवाह खयालों में छुपी जिसकी सदा है किम्वरी,
रुहानी रिश्ते का गवाह है ये रंग "सिंदूर"



KALKI

DESIGNER COLLECTION



K 50001



K 50004